

सरहुल परव

चर्चा में क्यों?

4 अप्रैल, 2022 को आदवासी समाज का सबसे बड़ा परकृतपरव 'सरहुल' पूरे झारखंड में धूमधाम से मनाया गया।

परमुख बढि

- राज्य की राजधानी के वभिन्न सरना स्थानों से आकर्षक शोभायात्रा नकाली गई, जसमें हटमा स्थति सरना स्थल से नकाली गई शोभायात्रा परमुख थी।
- इस शोभायात्रा में आदवासी समाज की महिलाएँ व पुरुष मांदर की थाप पर पूरे ताल में नृत्य कर रहे थे।
- गौरतलब है क सरहुल मध्य-पूर्व भारत और मध्य भारत के आदवासी कषेत्रों (मुख्यतः झारखंड, ओडशा, बंगाल) में मनाया जाता है।
- चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया को आयोजति कया जाने वाला यह त्योहार धरती एवं सूर्य के ववाहोत्सव के रूप में मनाया जाता है।
- यह परव नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। इस परव पर पेड़ और परकृतके अन्य तत्त्वों की पूजा होती है, इस समय साल (शोरया रोबस्टा) वृक्षों की शाखाओं पर नए फूल खलिते हैं। इस दनि झारखंड में राजकीय अवकाश रहता है।